वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 305 | रविवार 3 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने "शक्ति वंदन" कार्यक्रम का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा 2 से 4 मार्च तक आयोजित होने वाले 'शक्ति वंदन' कार्यक्रम का फीता खोलकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने ''एक खत मोदी जी के नाम'' स्टॉल पर जाकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संदेश लिखा तथा सेल्फी पॉइन्ट पर सेल्फी भी ली। शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजनकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि ''सशक्त महिला से समृद्ध समाज की ओर एक पहल'' थीम पर आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न प्रदर्शनियां, टॉक शो, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह एवं फागोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर, जयपुर ग्रेटर निगम की आयुक्त रूक्मणि रियार, पार्षद एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

भारतीय संस्कृति के वाहक बनें युवा: देवनानी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि युवा सहयोग, सहिष्णुता, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का भाव रखें। उन्होंने कहा कि युवा भारत के लिए जीये। युवाओं को ऐसी शिक्षा देने की आवश्यकता है जिससे वे भारतीयता की अनुभूति कर सकें। देवनानी शनिवार को यहां मोती डूंगरी स्थित नायला बाग पैलेस में ZUCOL ग्रुप द्वारा आयोजित आईआईटी व NEET में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। युवाओं के इस कार्यक्रम को देवनानी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा होनहार, होशियार और प्रतिभावान बच्चों को उनके पैरों पर खड़े होने तक मदद करना वाकई सच्ची राष्ट्र सेवा है। यह बच्चे राष्ट्र के कल के नहीं बल्कि आज के नागरिक हैं। बच्चे राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे। राष्ट्र की गौरवशाली संस्कृति पर गौरव की अनुभूति करें। राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे गरीब और गांव को ना भूले। हमें हर समय कच्चे घर और पक्के इरादों का ध्यान रखना है। इससे निश्चित रूप से समाज के उस तबके को लाभ मिलेगा जो किन्हीं कारणों से शिक्षा और अपने आप को बेहतर साबित करने के मंच से वंचित रह गए हैं। देवनानी ने कहा कि परमार्थम संस्था को जयपुर के आसपास के क्षेत्र के साथ-साथ प्रदेश के गांव-गांव और ढाणी ढाणी से छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाकर उन्हें समाज व राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार करना चाहिए। देवनानी ने कहा कि युवाओं में अदम्य, ऊर्जा, साहस और असंभव को संभव करने की अपार शक्ति होती है और ऐसा कोई काम नहीं है जो वे नहीं कर सकते हैं। जीवन में उद्देश्य अवश्य रखना चाहिए। युवाओं के लिए जरूरी है कि वह जीवन में उद्देश्य रखें। उद्देश्य पूर्ण जीवन जीने से स्वयं के जीवन के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र को नई दिशा मिलती है। युवाओं का जीवन का उद्देश्य राष्ट्र के उद्देश्य के अनुरूप होना आवश्यक है। देवनानी ने कहा कि कूटनीतिक इतिहास से युवाओं में भारतीयता का भाव नहीं आ सकता । अब नए भारत का उदय हो रहा है। भारत विश्व का सिरमौर बना है । भारत वैज्ञानिक व आध्यात्मिक दृष्टिकोण से पुरातन काल से ही समृद्ध रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नौकरी देने वाले बने। समारोह को रामानन्द, जुगल किशोर, अंकुश ताम्बी और डॉक्टर संजय खण्डेलवाल ने भी संबोधित किया।

आर्ट ऑफ लिविंग युवा सशक्तिकरण एवं कौशल कार्यक्रम (YES!+) का अयोजन

जयपुर

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग युवा सशक्तिकरण एवं कौशल कार्यक्रम (YES !+) का अयोजन किया गया जिसमें 130 से भी अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित श्वासों की तकनीक तथा सुदर्शन क्रिया सीखी। विद्यार्थियों ने बताया की वह अपने अंदर हुए परिवर्तन से बहुत खुश और उत्साहित हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाले छात्र छात्राओं ने साझा किया कि श्वास प्रक्रियाओं के अभ्यास से मिले अनुभव को वो हैप्पी हॉर्मोन रिलीज़, वेगस नर्व ऐक्टिवेशन एवं स्ट्रेस हॉर्मोन कोर्टिसॉल रिडक्शन से जोड़ पाए । प्रतिभागियों ने साझा किया कि उनकी नींद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, वे बेहतर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हैंऔरआत्मविश्वास का स्तर बेहतर है। कार्यक्रम प्रशिक्षक विवेक एवं सुविधा अग्रवाल ने बताया कि युवाओं को सिखाए जाने वाले इस प्रैक्टिकल कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को न केवल आंतरिक शांति प्रधान करना है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और जुड़ाव की भावना के साथ बाहरी उत्कृष्टता और गतिशीलता प्रधान करना भी है। डॉ. राजीव बगरहट्टा, प्रिंसिपल एसएमएस मेडिकल कॉलेज और डॉ. मोनिका जैन अतिरिक्त प्रिंसिपल और चिकित्सा शिक्षा समन्वयक ने साझा किया कि कार्यक्रम का हमेशा छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जो उनके व्यवहार, शैक्षणिक और समग्र व्यक्तित्व में दिखाई देता है। यह उनके लिए जीवन में कुछ अच्छा करने और अपने जीवन की जिम्मेदारी लेने के लिए मनोबल बढ़ाने का काम करता है।सुदर्शन क्रिया आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा 184 देशों में सिखाई जाने वाली वैज्ञानिक श्वास क्रिया की यूएसपी तकनीक है जो की येल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी आईआईटी, आईआईएम तथा अनेकों संस्थान में युवा सशक्तिकरण एवं कौशल कार्यक्रम (YES !+) कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को सिखाई जाती है । यह पाया गया है की इस कार्यक्रम में सिखाई गई मानसिक स्वच्छता तकनीकों के माध्यम से छात्रों में समग्र उत्कृष्टता, जीवन कौशल का निर्माण, तनाव मुक्ति और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार को पूरा करता है।

गुरुदेव के आदर्शों का अनुसरण करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है : आर्यिका विश्रेय श्री

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

अंबाह। संत शिरोमणि गुरु विद्यासागर जी महाराज को विनायजली सभा का आयोजन चंदन एकेडमी स्कूल पोरसा चौराहे पर आयोजित किया गया। जिसमें जैन समाज के साथ-साथ शहर के प्रबुद्धजन, विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाफ, विद्यालय के संरक्षक भागीरथ सिंह तोमर संचालक राम बबलू सिंह तोमर सम्मिलित हुए। जिसमें संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के निर्विकल्प समाधि होने पर गुरु विनयांजलि सभा का आयोजन, परम पूज्यनीय उच्चारणचार्य विनम्र सागरजी गुरुदेव की शिष्या आर्यिका श्री 105 विश्रेय श्री माताजी के सानिध्य में हुआ। आचार्य श्री विनम्र सागर महाराज जी का चित्र अनावरण सुमित चंद्र जैन,सुनहरी लाल जैन महेश चंद्र जैन बिजली बाले, नरेशचंद्र गुरू, , लवली जैन ने किया। मंगलाचरण राजकुमारी जैन ने एवं मंच संचालन राकेश भंडारी ने किया। आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के जीवन पर अजय जैन पत्रकार मनोज जैन, ओपी जैन, अमित टकसारी, विमल जैन,राजू, नरेशचंद्र जैन गुरू, विमल भंडारी, अमित जैन, अंकित जैन, राजवीर शर्मा जी, राकेश भंडारी परिचर्चा की। विश्रेय श्री माताजी ने सभी विधाथीयों को मांस मछली, मंदिरा , से दूर रहने की शपथ दिलाई एवं सत्य की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। हमें अपने माता-पिता को कभी परेशान एवं कभी भी झूठ नहीं बोलना है। माता पिता की सेवा करना है। जेसे आचार्य श्री ने आजीवन नमक घी तेल हरी इत्यादि का त्याग किया है। हम इतना नहीं कर सकते हैं। मांस मंदिरा अंडा इत्यादि का त्याग कर सकते हैं। अंत में सभी का आभार विद्यालय संचालक रामबबलू सिंह तोमर ने किया। संतोष जैन,अजय जैन बल्लू, उपेंद्र जैन, कुलदीप जैन, राहुल जैन नायक, राहुल जैन, पंकज जैन पत्रकार, कपिल जैन, मनीष जैन,अनिल जैन बड़े,दिप्ती जैन, रजनी जैन , सिम्मी जैन आदि अनेक लोग सम्मिलित रहे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर की अध्यक्ष एवम दिगंबर जैन महासमिति महिला राजस्थान अंचल की अध्यक्ष

3 मार्च 2024

श्रीमती शकुंतला जी बिंदायकया

को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु : समस्त परिवार जन एवम मित्रगण

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मे शांति कुमार की हुई दीक्षा

पसीना बहाओगे तो स्वस्थ रहोगे नहीं तो अस्वस्थ ही रहोगे सभी अपना कार्य स्वयं करो : आचार्य सुनील सागर

कामां. शाबाश इंडिया। तीर्थंकर वही बनते है जो जग के कल्याण की भावना रखते हैं जीवो के प्रति करुणा रखते हैं। अयोध्या में पांच तीर्थकरो ने जन्म लिया वही बीसवें तीर्थंकर के काल मे राम ने जन्म लिया उनका भी वंश इक्ष्वाकु ही था उक्त उदगार जैन आचार्य सुनील सागर महाराज ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में दीक्षा कल्याणक के अवसर पर व्यक्त किये। आचार्य ने कहा कि वर्तमान में व्यक्ति बड़ा आलसी हो गया है। पसीना बहाओगे तो स्वस्थ रहोगे नही तो अस्वस्थ ही रहोगे सभी अपना कार्य स्वयं करो। आचार्य ने समझाते हुए कहा कि व्यक्ति की चमड़ी की पूजा नही गुणों की पूजा होती है। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन भगवान के दीक्षा कल्याण की क्रियाओ से युवराज शांति कुमार के विवाह उत्सव आदि के आयोजन हुए तो धूमधाम के साथ युवराज शांति कुमार की बारात निकाली गई इस अवसर पर युवराज शांति कुमार के भाई बनने का सौभाग्य आकिंचन जैन बल्लभगढ़ को प्राप्त हुआ। **भगवान की हुई दीक्षा:** कार्यक्रम में दोपहर की क्रियायो में युवराज शांति कुमार को वैराग्य हुआ और आचार्य द्वारा दीक्षा प्रदान की तो दीक्षा महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पीक्षी कमण्डलु भेंट कर मुनि दीक्षा कराई गई तो आचार्य ने कहा कि अब ग्रहस्थों का काम खत्म अब संतों का काम प्रारंभ हो गया है। अब यह पाषाण भगवान बनने की ओर अग्रसर है आप सभी को मर्यादित रहते हुए आगे की क्रियाएं करनी चाहिए। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में दूर दराज से हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन पधार रहे हैं और जैन समाज के द्वारा उनका स्वागत अभिनंदन भी किया जा रहा है।

असित फागुण सांतय पावनों...

मनाया जैन धर्म के 7 वें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक-मंदिरों में हुए विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों ने शनिवार को जैन धर्म के 7 वें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू का ज्ञान कल्याणक दिवस भक्ति भाव से मनाया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुख्य आयोजन मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में हुआ। प्रातः भगवान सुपार्श्वनाथ एवं भगवान चन्द्रप्रभू के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि हेतु मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा की गई। भगवान सुपार्श्वनाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना की जाकर पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण किया गया। तत्पश्चात मोक्ष कल्याणक श्लोक " असित फागुण सांतय पावनों।सकलकर्म कियो क्षय भावनों।। गिरि समेदथकी शिव जातु है। जजत ही सब विघ्न विलातु है।। " का उच्चारण करते हुए मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी विनेश- प्रीति सोगानी , सुरेंद्र - सोनल जैन,अक्षय - आशा गोधा , श्रीमती मुन्ना देवी अमित जैन केकड़ी वाले, दीपेश - निधि अजमेरा ने सौभाग्य प्राप्त किया। कार्यक्रम में कैलाश सेठी, हेमेंद्र सेठी, राकेश चांदवाड, विनोद छाबड़ा अरविंद गंगवाल अरूण जैन, संतोष कासलीवाल, अजीत जैन बी ओ बी, सुधीर जैन, पूनम चंद आंधीका सुनील गंगवाल, जे के जैन सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा जैन के मुताबिक शनिवार को ही आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू का ज्ञान कल्याणक दिवस भी भक्तिभाव से मनाया गया। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ ज्ञान कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। जैन के मुताबिक सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर, तारों की कूट पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित शहर के कई दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए।

नेटथियेट पर सैक्सोफोन फ्यूजन

यू ए एस के जॉन मॅक्ग्राथ की वेस्टर्न धुनों पर झूमे दर्शक

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज लॉस एंजिल्स केलिफोर्निया यूएसए के सैक्सोफोन कलाकार जॉन मैक्ग्राथ ने सैक्सोफोन पर अपने स्वर छेडे तो दर्शक झुम उठे। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि चार साल पहले इस आभासी रंगमंच की परिकल्पना रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी ने की थी जिस पर अब तक 250 से अधिक प्रस्तुतियों में 800 से अधिक कलाकार ने सहभागिता निभाई है। इसी क्रम में यूएसए से पधारे जॉन ने जब सैक्सोफोन पर पश्चात संगीत बजाया तो युवा वर्ग वाह वाह कर झुमने लगा उन्होंने सुरीले वाद्य सैक्सोफोन पर वेस्टर्न धुने ही बजाई और दर्शकों को बांधे रखा ' कलाकार जॉन ने राजस्थानी संगीत के जाने माने कलकारों के साथ फ्यूजन भी किया। आपके साथ तबले पर राजस्थान के सुप्रसिद्ध तबला वादक प्रेम शर्मा और हारमोनियम पर सबके चहेते कलाकार शेर खांन ने विदेशी कलाकार के साथ ऐसे देसी तड़का लगाया कि सभी फ्यूजन के दीवाने हो गए।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

यह मनुष्य के सामने आदिकाल से ही सबसे बड़ा प्रश्न रहा है कि मैं कौन हूं? बहुत से लोग आए और जीवन भोगकर चले गए, किंतु इस प्रश्न के प्रति बेपरवाह रहे। संसार के मायावी आकर्षण ने उन्हें इतना चकाचौंध कर दिया कि उन्हें कभी अपने निकट आने और स्वयं को समझने का समय ही नहीं मिला। वे भाग्यवान थे कि जिन्होंने अपने सच को पहचाना और इसे धारण कर मोक्ष को प्राप्त हुए। धर्म ग्रंथों और धर्म पुरुषों की वाणी में जीव को पंच तत्वों-धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश-से मिलकर बना हुआ माना गया है, जिसका अंत निश्चित है। ये पांचों तत्व सृष्टि में प्रचुरता में उपलब्ध हैं। जीव की मृत्यु के बाद ये पांचों तत्व अपने मूल में लौट जाते हैं। मनुष्य जब संसार में अपनी पहचान 'मैं' के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, तो वह एक भ्रम में जी रहा होता है। इस 'मैं' में उसका कुछ भी नहीं होता है। सारा कुछ ग्रहण किया गया है और निश्चित रूप से लौट जाने वाला है। मनुष्य का 'मैं' वास्तव में स्थापित हो ही नहीं सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी कोई ज्ञात अवधि नहीं है। पल भर में उसका विनाश हो सकता है। आज तक कोई जान नहीं सका है कि उसका जीवन कितने दिनों, कितने पलों का है, इस ज्ञान को दोहराने वालों की कमी नहीं है, किंतु इस पर विश्वास करने वालों का घोर अभाव है। हर कोई ऐसे व्यवहार कर रहा है कि मानों वह कोई विशिष्ट है और उसे सदियों तक जीवित रहना है। अपने बारे में जानना, अपनी रचना और अपने नाशवान होने के बारे में विश्वास करना है। यह विश्वास उसके आचरण को बदल देता है और उस परम शक्ति के निकट ले जाता है, जिसने उसे रचा है और जीवन दिया है। वास्तव में अपने आप में अपने जैसा कुछ भी नहीं है। यदि अपने जैसा कुछ भी शेष नहीं रहने वाला तो कैसा अहंकार? मनुष्य का अहंकार ही उसकी अधिकांश समस्याओं का मूल है और ईश्वर से दूर ले जाने वाला है। ईश्वर से दूर रहना जीवन के लक्ष्य से भटकना है। पंच तत्वों से बने तन के अंदर की चेतना अथवा आत्मा कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं परमात्मा का ही अंश है। मनुष्य योनि उस बिछड़ी हुई आत्मा का परम आत्मा से मेल का अवसर है, ताकि वह आवागमन के चक्र से मुक्त हो सके।

संपादकीय

गरीबी पर सरकार का तर्क विवादों के घेरे में

चालू वित्तवर्ष की तीसरी यानी दिसंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 8.4 फीसद दर्ज हुई है। यह निस्संदेह उत्साहजनक आंकड़ा है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कहीं अधिक है। इस तरह चालू वित्तवर्ष का सकल घरेलू उत्पाद सारे अनुमानों से अधिक रहने वाला है। रिजर्व बैंक ने अपना पुराना अनुमान बदल कर इसे 7.6 फीसद कर दिया है। हालांकि रिजर्व बैंक ने माना था कि तीसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर आठ फीसद के आसपास रहेगी, मगर चौथी तिमाही में इसके छह फीसद के नीचे रहने का अनुमान है। तिमाही में विकास दर ऊंची रहने के पीछे विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, कर संग्रह में बढ़ोतरी और सबसिडी खर्च में कमी को मुख्य कारण माना जा रहा है। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के सरकार के इरादे को निश्चित रूप से इससे बल मिलेगा। मगर इस आर्थिक विकास दर की परत-दर-परत पड़ताल करें, तो कई असंगत स्थितियां भी नजर आती हैं। आर्थिक विकास दर के ऊंची रहने के बावजूद आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों- कोयला, इस्पात, बिजली, कच्चा तेल, रिफाइनरी, प्रकृतिक गैस, उर्वरक और सीमेंट- में विकास दर सुस्त दर्ज हुई है। इसके समांतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करीब तेरह फीसद घटा है। माना जाता है कि तेज अर्थव्यवस्था वाले देशों की तरफ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अपने आप आकर्षित होता है। इस वक्त जब दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, तब भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है। दवा उत्पादन, सेवा, दूर संचार जैसे कुछ क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं अधिक आंकी जाती रही हैं। मगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद इन क्षेत्रों में भी अगर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा है, तो इसे अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। जिस समय औद्योगिक गतिविधियां ठप्प थीं, उस समय भी भारतीय कृषि क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को लड़खड़ाने नहीं दिया था। मगर आर्थिक विकास दर में इसका योगदान लगातार घटता नजर आ रहा है। जाहिर है, इस क्षेत्र को उचित प्रोत्साहन नहीं मिल पा रहा। इससे आने वाले समय में महंगाई की दर ऊंची रहने की आशंका बनी रहेगी। महंगाई पर काबू पाना पहले ही सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। रिजर्व बैंक रेपो दरों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहता। पिछले आंकड़ों में सबसे अधिक महंगाई सब्जियों, दूध, फल और अंडे वगैरह की कीमतों में दर्ज की गई थी। ऊंची विकास दर के समांतर यह सवाल भी लगातार बना हुआ है कि इसी अनुपात में लोगों की क्रयशक्ति क्यों नहीं बढ़ पा रही। क्रयशक्ति न बढ़ने से घरेलू बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कुछ दिनों पहले जारी हुए उपभोग खर्च संबंधी आंकड़ों से जाहिर है कि लोगों का घरेलू खर्च बढ़ कर दो गुना हो गया है, जबकि उनकी आमदनी में उत्साहजनक बढ़ोतरी नहीं हो पाई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पैरोल देने पर उठाए सवाल

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो नियम-कायदे अपवाद स्थितियों में लागू करने के लिए बनाए गए हैं, खुद सरकारें उनका दुरुपयोग करने से नहीं हिचकतीं। बलात्कार और हत्या के अपराध में जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को लेकर हरियाणा सरकार की इस उदारता का मतलब समझना मुश्किल है, कि क्यों उसे बार-बार पैरोल दिया जाता रहा है। हरियाणा सरकार के इस रुख पर तीखे सवाल उठ रहे थे, मगर उसकी अनदेखी करते हुए राम रहीम को पैरोल पर बाहर जाने की छूट मिलती रही। गौरतलब है कि कुछ समय पहले राम रहीम को फिर पचास दिनों की पैरोल दी गई। पिछले वर्ष भी उसे दो बार लंबी अवधि के लिए छुट्टी मिली थी। करीब दस महीने में उसे सात बार और पिछले चार वर्षों में नौ बार पैरोल दी गई। इस तरह अब तक उसे करीब आठ महीने जेल से बाहर रहने का मौका मिल चुका है। अब शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने राम रहीम को बार-बार पैरोल देने को लेकर सवाल उठाए हैं और हरियाणा सरकार से कहा कि आगे वह अदालत की इजाजत के बिना राम रहीम को पैरोल न दे। हरियाणा सरकार की दलील है कि यह सुविधा नियमों के तहत दी गई। मगर सवाल है कि एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले और तीन मामलों में सजा पाए व्यक्ति की तरह और कितने अन्य लोगों को इसी आधार पर पैरोल दी गई है। गौरतलब है कि पैरोल नियमों के तहत कैदियों को सीमित अवधि के लिए कुछ शर्तों के साथ जेल से बाहर जाने की इजाजत देना राज्य सरकारों के अधिकार-क्षेत्र में आता है। मगर किसी खास कैदी के लिए सरकार के इस हद तक उदार हो जाने के पीछे क्या वजह हो सकती है? क्या यह अपवाद जैसी स्थितियों में या मानवीय आधार पर किसी कैदी को राहत देने के लिए बनाए गए नियम का बेजा इस्तेमाल नहीं है? क्या इसे कानूनों के सहारे अलग-अलग कैदियों के साथ भेदभाव नहीं माना जाएगा? इस मसले पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप पैरोल जैसे नियमों में सख्त मानदंड बनाए जाने की जरूरत को रेखांकित करता है।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में तीस चोबीसी विधान का भव्य शुभारंभ

आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज के सानिध्य में हो रहा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 108 आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज के सानिध्य में कीर्ति नगर जैन मंदिर तीस चोबिसी विधान का आयोजन बहुत ही विशाल स्तर पर भक्तिमय माहोल में आयोजित किया जा रहा है। मंदिर के अध्यक्ष अरुण काला और महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि यह विधान 3 दिन चलेगा और इसका समापन 4 मार्च को होगा। विधान का शुभारम्भ श्री जी के पंचामृत अभिषेक से किया गया। ध्वज वन्दना विजय गोधा परिवार द्वारा किया गया और दीप प्रज्वलन अशोक चंदवाड़ परिवार द्वारा किया गया। प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया की इस अवसर पर सुपारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक का लड्डू भी चढ़ाया गया जिसके पुण्यार्जक अशोक चंदवाड़ परिवार थे। विधान में करीब 150 लोग बैठे है। पूजा पंडित कुमुद जी अजमेर वाले के द्वारा करायी जा रही है ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर का 101 सदस्यों का दल राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने कुण्डलपुर सिद्ध क्षेत्र रवाना

3 मार्च को होगा ध्वजारोहण, अधिवेशन, बेनर प्रेजेंटेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर का 101 सदस्यों का दल राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने कुण्डलपुर सिद्ध क्षेत्र के लिए दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना हुआ। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने अवगत कराया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर का यह दल रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या के नेतृत्व में राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने जा रहा है। रीजन संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन IPS, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल अजमेरा, जयपुर मैंन के हीरा चंद बैद, गुलाबी नगर की सुशीला बड़जात्या, महावीर पांड्या डायमंड के प्रमोद सोनी, रमेश छाबड़ा, राजेन्द्र सेठी, संगिनी फार एवर की शकुंतला जैन, सुनीता जैन सम्यक के महावीर बोहरा, इन्दर कुमार जैन वीर ग्रुप के नीरज जैन, पंकज जैन सन्मति ग्रुप के राकेश गोदिका, मनीष लोंग्या, कमल ठोलिया आदि ग्रुप अध्यक्ष, सचिव व सदस्यों के साथ रवाना हुए। जयपुर के सभी ग्रुप बेनर प्रेजेंटेशन में भाग लेंगे। कुछ सदस्य तीन मार्च को रवाना होकर 4 मार्च को तथा कुछ सदस्य एकदिवसीय धार्मिक यात्रा कर 5 मार्च को जयपुर वापस पहुंचेगे ।

पीर कल्याणी नसिया जी जैन मन्दिर में हुआ मुनिसंघ का मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्यश्री अभिनन्दनसागर जी महाराज के युवा शिष्य श्रमण मुनिश्री अनुशरणसागर जी महाराज एवं आगरा नगर गौरव मुनिश्री प्रभासागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश 02 मार्च को आगरा के मोतीलाल नेहरू रोड स्थित श्री क्या1008 नेमिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर नसिया जी पीर कल्याणी में बैण्ड बाजों के साथ मंगल आगमन हुआ। जहां आगरानगर वासियों ने मुनिवर ससंघ का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की। बैंड-बाजों के साथ हुई अगवानी के बाद मुनिवर ससंघ का पदार्पण नसिया जी पीर कल्याणी में हुओ मुनिश्री के आगमन से आगरा नगरवासियों में हर्ष का वातावरण छा गया। मन्दिर में हुए आगमन के बाद मुनिसंघ ने मूलनायक भगवान नेमिनाथ की प्रतिमा एवं सभी प्रतिमाओं के दर्शन किए। इसके साथ ही मुनिश्री ने अनुशरण सागर जी महाराज ने धर्मसभा में अपने भक्तों को सम्बोधित किया। इस दौरान नसिया जी जैन समाज ने मुनिश्री के समक्ष श्रीफल एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। आगरा दिगम्बर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार ने बताया कि मुनिश्री अनुशरणसागर जी महाराज के प्रतिदिन सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक मंगल प्रवचन और शाम 6:30 बजे से आनंद यात्रा का आयोजन किया जाएगा। धर्मसभा का संचालन राजेश जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर महामंत्री सुनील जैन ठेकेदार, राकेश जैन, राजेश जैन, मनोज जैन, राजेन्द्र जैन एडवोकेट, शुभम जैन छोटू, नरेंद्र जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग एवं

गुरूभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। -रिपोर्ट छोटू जैन

विद्यालय में कंप्यूटर भेंट किया

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। निकटवर्ती गांव 15-16 केडब्ल्यूडी में भामाशाह मोहनलाल बलिहारा, हेतराम बलिहारा ने अपने गांव के विद्यालय में उच्च गुणवत्ता युक्त एक कंप्यूटर सेट भेंट किया। इस मौके पर ग्रामीण भेराराम राईका, संस्था प्रधान अमनदीप सिहाग, विद्यालय स्टाफ श्रीमती सुशीला, नितिका, ज्योति, राजेंद्र प्रसाद, भजनलाल, पुष्पेंद्र, विनोद कुमार, चेतराम, जगदीश प्रसाद, अमरजीत एवम बच्चें उपस्थित रहे। संस्था प्रधान अमनदीप ने भामाशाहों का स्वागत कर आभार प्रकट किया।

जो बोयेगा वही पायेगाः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में विराजमान श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित प्रभुभक्तों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - यदि आप चाहते हैं कि सभी आपसे प्रेम करें, तो प्रेम की शुरूआत पहले आपको करनी होगी क्योंकि प्रकृति का नियम है, जो बोया है, वही निकलेगा। गरीब, दीन, बेजुबान मनुष्य और पशुओं से प्रेम करें। जैसे पैर में से काँटा निकल जाये तो चलने में मजा आ जाता है और मन में से अहंकार निकल जाये तो जीवन जीने में मजा आ जाता है। गुन्सी की पावन धरा पर 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। दूर-दूर से यात्रीगण आकर क्षेत्र के दर्शनों का लाभ प्राप्त कर रहे है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र के निर्माण का मुख्य उद्देश्य प्राचीन जिनालयों की सेवा, सुरक्षा एवं संवर्धन है। जैन इतिहास को सुरक्षित रखने का मुख्य आयाम इसकी विविध योजनाओं में अंतर्गभित है। भारतवर्षीय सकल दिगम्बर जैन समाज के लिए गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी की प्रेरणा से एक अनमोल धरोहर हम सबको मिलने जा रही है यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

अनंत अंबानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी में पॉप स्टार रिहाना, बिजनेस टायकून्स और बॉलीवुड सितारे शामिल हुए

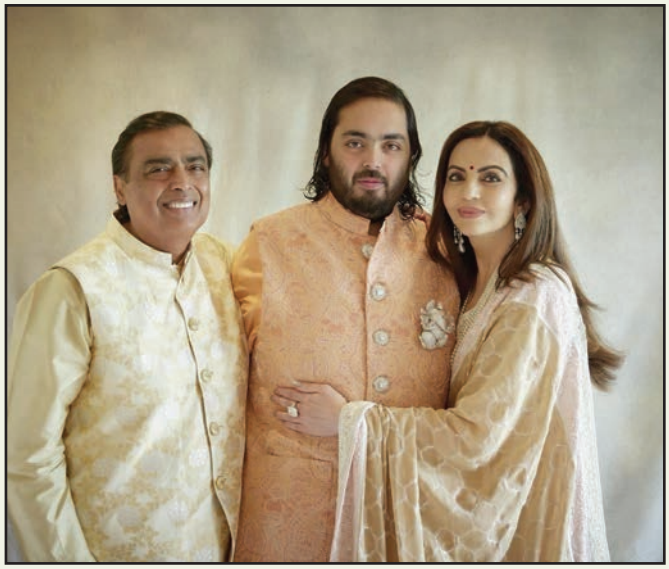

जामनगर. शाबाश इंडिया

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट की शादी से पहले का तीन दिवसीय प्री-वेडिंग सेरेमनी गुजरात के जामनगर में चल रहा है। शुक्रवार से शुरू हुए समारोह में पॉप स्टार रिहाना, अभिनेता शाहरुख खान, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चान सहित दुनिया भर से करीब 1200 हस्तियां शामिल हो रही हैं। प्री-वेडिंग सेरेमनी की तीनों रातों की थीम अलग-अलग है। पहले दिन की थीम ''एन इवनिंग इन एवरलैंड'' थी, जिसका ड्रेस कोड ''एलिगेंट कॉकटेल'' था। दूसरे दिन की थीम ''ए वॉक ऑन द वाइल्डसाइड'' थी, जिसका ड्रेस कोड जंगल फीवर था। दूसरे दिन का जश्न जामनगर में अंबानी परिवार के एनिमल रेस्क्यू सेंटर में आयोजित किया गया और मेहमानों को इस कार्यक्रम के लिए आरामदायक जूते और कपड़े पहनने की सलाह दी गई थी। समारोह में भाग लेने वालों में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग, मॉर्गन स्टेनली के सीईओ टेड पिक, माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स, डिज्नी के सीईओ बॉब इगर, ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक, एडनॉक के सीईओ सुल्तान अहमद अल जाबेर और ईएल रोथ्सचाइल्ड के अध्यक्ष लिन फॉरेस्टर डी रोथ्सचाइल्ड शामिल हैं। मनोरंजन और खेल जगत की मशहूर हस्तियां जैसे रिहाना, शाहरुख खान, सलमान खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा, ड्वेन ब्रावो आदि भी मेहमानों में शामिल हैं।

50वां स्वर्ण उत्सव भव्य रुप से मनाया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। ऐलनाबाद शहर के प्राचीन श्री श्याम मंदिर में ,श्री श्याम कला मंडल वश्री श्याम बाबा मंदिर कमेटी ट्रस्ट रजिस्टर्ड के सहयोग से शुक्रवार से 50 वा स्वर्ण उत्सव का भव्य रुप से आगाज हो चुका है, प्रथम दिन विशाल शोभायात्रा शहर के तलवाड़ा रोड से शुरू होकर देवीलाल चोक, गांधी चौक, ममेरा चोक,पंचमुखी चौक होती हुई बाबा श्री श्याम मंदिर पहुंची। यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया। श्याम मंदिर कमेटी ट्रस्ट के प्रवक्ता मांगीलाल ने बताया कि मंदिर के 50 वे गोल्डन जुबली उत्सव पर 15सौ धावजा, 400 कलस,71चांदी की ध्वजा बाबा को समर्पित की गई आज 2 मार्च को जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएंगे 3 मार्च को मंदिर में अखंड जोत का पाठ होग।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में तीर्थंकर के कल्याणक मनाए

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कार्यकारणी समिति श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में देवाधिदेव तीर्थंकर 1008 श्री सुपार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव एवम भगवान श्री चंद्रप्रभु जी का ज्ञान कल्याणक महोत्सव पर बड़े ही भक्ति भाव से मनाया। इस अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का पुण्यार्जन श्रीमती कमला, नरेश, नीलम, शैफाली, निमित, लवी गोधा परिवार ने प्राप्त किया। देवेंद्र छाबड़ा ट्रस्टी ने बताया कि इस मांगलिक अवसर पर समाज के श्रेष्ठी कल्याण मल, शांति, मुकेश, राकेश, पवन, पंकज, संजय, महावीर एवम समाज के श्रेष्ठी गण मौजूद थे।

जलाभिषेक शांति धारा के साथ भगवान सुपार्श्वनाथ मंडल विधान की हुई पूजन

भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी के निर्वाण महोत्सव दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाया, भगवान चंद्रप्रभु स्वामी की भी हुई पूजन

सनावद. शाबाश इंडिया। जैन समाज में तीर्थंकरों के मोक्ष कल्याणक अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाए जाते हैं। फाल्गुन कृष्ण सप्तमी के दिन सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक दिवस है। इस उपलक्ष में श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार को जलाभिषेक, शांतिधारा, भगवान सुपार्श्वनाथ मंडल विधान की संगीतमय पूजन के साथ निर्वाण महोत्सव निर्वाण लाडू चढ़ा कर मनाया गया। इसी दिन आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का केवलज्ञान दिवस होने के कारण भगवान चंद्रप्रभु स्वामी की भी पूजन की गई। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि प्रातः 7 बजे से शुद्ध धोती दुपट्टे पहनकर नरेश पाटनी, संतोष बाकलीवाल, सत्येंद्र जैन, निलेश बाकलीवाल, राजेश चौधरी, आशीष झांझरी ,शैलेंद्र जैन, प्रकाश पाटनी, राकेश जैन, कमलेश भूच, जंगलेश जैन, आशीष पाटनी, हेमेंद्र जैन, अचिन्त्य जटाले ने सामूहिक जलाभिषेक शांति धारा के बाद नित्य नियम पूजा, भगवान चंद्रप्रभु स्वामी के केवलज्ञान की पूजा के बाद डॉ. विवेक जैन, सलित जैन, समाज अध्यक्ष मनोज जैन, शुभम जैन, प्रियम जैन, देवेंद्र जैन , दिनेश पाटनी, संगीता बाकलीवाल, संगीता पाटोदी, संध्या जैन, मंजुला भूच, हिरामणि भूच, सपना जैन, मीना बाकलीवाल, विनीत जैन, चंदा पाटनी, चेतन गोधा, रेखा जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने संगीत की स्वर लहरियों के बीच मंडल पर 108 अर्घ्य समर्पित कर भगवान सुपार्श्वनाथ मंडल विधान की पूजा की। विधान की रचयित्री पूज्य ज्ञानमती माताजी के अनुसार अतिशय महिमा एवं अनंतगुणों से मंण्डित भगवान सुपार्श्वनाथ मंडल विधान जो भी श्रद्धालु जन प्रथम से लेकर चतुर्थ वलय तक 27-27 अर्घ्य चढ़कर 108 अर्घ्य के साथ भगवान की पूजन श्रद्धा भक्ति से करते हैं वे एक दिन स्वर्ग के दिव्य सुखों को प्राप्त कर कर्मभूमि में जन्म लेकर साधु बनकर सिद्ध पद को प्राप्त करते हैं। निर्वाण कांड भाषा के सामूहिक पाठ के वाचन तथा पावन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखरजी में प्रभासकूट से अष्टकर्मो का नाश कर मोक्ष को प्राप्त हुए भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी तथा अनगिनत सिद्ध परमात्माओं का स्मरण का निर्वाण लाडू चढ़ाया। सपना शैलेंद्र जैन ने सिद्धशिला का आकार बनाकर निर्वाण लाडू चढ़ाया। आरती के साथ सामूहिक कार्यक्रम का समापन हुआ। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, आदिनाथ जिनालय में भी श्रद्धालुओं ने पूजा, अर्चना कर भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया।

जनकपुरी में मनाया गया जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

असित फागुन सातय पावनो, सकल कर्म कियो छय भावनो गिरि समेदथकी शिव जातु हैं, जजत ही सब विघ्न विलातु हैं॥

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में शनिवार को जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 सुपार्श्व नाथ का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान श्री सुपार्श्वनाथ जी का जन्म इक्ष्वाकुवंश में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को विशाखा नक्षत्र में वाराणसी में हुआ था। इनकी माता का नाम पृथ्वी देवी और पिता का नाम राजा प्रतिष्ठ था। इनके शरीर का वर्ण सुवर्ण था और इनका चिह्न स्वस्तिक था। इनका निर्वाण शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर पर हुआ था। मन्दिर में अभिषेक वृहत शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा इसके बाद भगवान के मोक्ष कल्याण का अर्घ बोलते हुए जयकारो के साथ निर्वाण लाडु मय श्रीफल व दीपक के उपस्थित श्रावकों द्वारा चढ़ाया गया। श्री सुपार्श्व पदजुगल जो जजें पढ़े यह पाठ अनुमोदें सो चतुर नर पावें आनन्द ठाठ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com